



# The Buddha International Award 2025

Recognizing Outstanding Contributions to Education,  
Social Service, and Humanity

Date: 26th May 2025 | Time: 11:00 AM – 4:00 PM  
Venue: The Bangkok Palace Hotel, Bangkok, Thailand

Organized by:

**Dharadham International | Devnagari Utthan Foundation**  
**United Guild UK | Asia Book of World Records**





# थाईलैंड में 26 मई को रचेगा इतिहास

होगा नाम दर्ज "Unique Records of Universe" में...

दिनांक:-

**26 मई  
2025**

संत डॉ. सौरभ पर आधारित 09 पुस्तकों का होगा एक साथ भव्य विमोचन

पुस्तक का नाम-

**The Excursion of Sauhard  
Shiromani Dr. Saurabh Pandey**

उपशीर्षक: A Journey of Universal  
Harmony & Human Upliftment

लेखक:

H.R.H. H.E. Pangeran Prince Love YM Dato Rdo.  
Sri Academician Amb. Prof.  
Dr. Genius GM LM Ivan Gacina  
(अग्रज, Balkanofantastika, क्रोएशिया)

पुस्तक का नाम-

**विश्वगुरु भारत के निर्माण  
में सौहार्द शिरोमणि संत  
डॉ. सौरभ का योगदान**

लेखक: डॉ. अभिषेक कुमार

पुस्तक का नाम-

**सौरभ- दीप: अंधकार  
में जलती दिव्य  
ज्योति**

लेखिका: डॉ. विदिशा पंवार

पुस्तक का नाम-

**सौहार्द शिखर:  
संत सौरभ**

लेखक: डॉ. सत्यवीर 'निराला'

पुस्तक का नाम-

**सौहार्द शिरोमणि  
संत डॉ. सौरभ**

लेखक: डॉ. आर.सी. यादव

पुस्तक का नाम-

**सौहार्द शिरोमणि  
संत डॉ. सौरभ  
का पाथेय**

अनु. एवं संपा.: सुनीता सिंह सरोवर

पुस्तक का नाम-

**सद्भाव सिंधु  
सौरभ**

लेखिका: डॉ. निशा अग्रवाल

पुस्तक का नाम-

**ध्रुव तारा: सौहार्द  
शिरोमणि संत  
डॉ. सौरभ (शोध ग्रंथ)**

शोधार्थी: डॉ. निशा अग्रवाल

पुस्तक का नाम-

**सौहार्द के दीप:  
संत डॉ. सौरभ**

लेखक: डॉ. राजीव भारद्वाज

**विमोचनकर्ता-**



महामहिम राजा जनरल ग्रैंड मास्टर  
प्रोफेसर दातो सेरी, थाईलैंड

**डॉ. सुमपंद रथफदाया डीएससी, थाईलैंड**

जेपी, वाईएनओएन 11 रिच महाराजा इंडोनेशिया



**पोल.लेफ्टिनेंट कर्नल डॉ. मोनरुडी सोमार्द**

सलाहकार (पुलिस समिति के अध्यक्ष, थाईलैंड सरकार)



**डॉ. परमिंदर सिंह**

प्रबंध संपादक, पेज 3 न्यूयॉर्क

**आयोजक-** धराधाम इंटरनेशनल, देवनागरी उत्थान फाउंडेशन, यूनाइटेड गिल्ड लंदन और एशिया बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड्स श्रीलंका

**स्थान:** बुद्ध अंतर्राष्ट्रीय सम्मान समारोह, शांति और भाषा महोत्सव- 2025 बैंकॉक पैलेस होटल, बैंकॉक, थाईलैंड।

# सौहार्द के दीप संत सौरभ



लेखक : डॉ. राजीव भारद्वाज



# संत सौरभः सौहार्द की ज्योति और मानवता के ध्रुवतारा - एक व्यापक अध्ययन

The Beacon of Harmony and the North  
Star of Humanity



शोध पर्यवेक्षक

प्रो.(डा.) जनक सिंह मीणा

गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय,  
गांधीनगर

शोधार्थी

डा. निशा अग्रवाल

सहयोगी संस्था

डी.पी.के.एच.आर.सी. DPKHRC



# सौहार्द सिंधु सौरभ

Fragrant Ocean of Harmony

A Journey of Sant Saurabh Pandey



DR. NISHA AGARWAL

WN PUBLICATIONS



ॐ

# सौहार्द शिखर: संत सौरभ

(Summit of Harmony: Sant Saurabh)

सौहार्द शिरोमणि संत सौरभ का वैश्व संदेश



लेखक

डा. सत्यवीर निराला

रोहतक, हरियाणा (भारत)



सौहार्द शिरोमणि

# संत डॉ. श्री सौरभ

(प्रेम सद्भाव एवं धार्मिक सौहार्द के अप्रतिम प्रेरक)



डॉ. आर. सी. यादव



# सौरभ-दीप

अंधकार में जलती दिव्य ज्योति



डा. विदिशा पंवार





# सौहार्द शिरोमणि संत डा. सौरभ का पाथेय

एक संत का जीवन जो बना मानवता के लिए पथप्रदर्शक



संकलन

सुनीता सिंह सरोवर

संपादक

एच.आर.एच. पैंगेरन प्रिंसालव  
(इवान गामिना) क्रीएशिया

डॉ. राजीव भारद्वाज

कृत

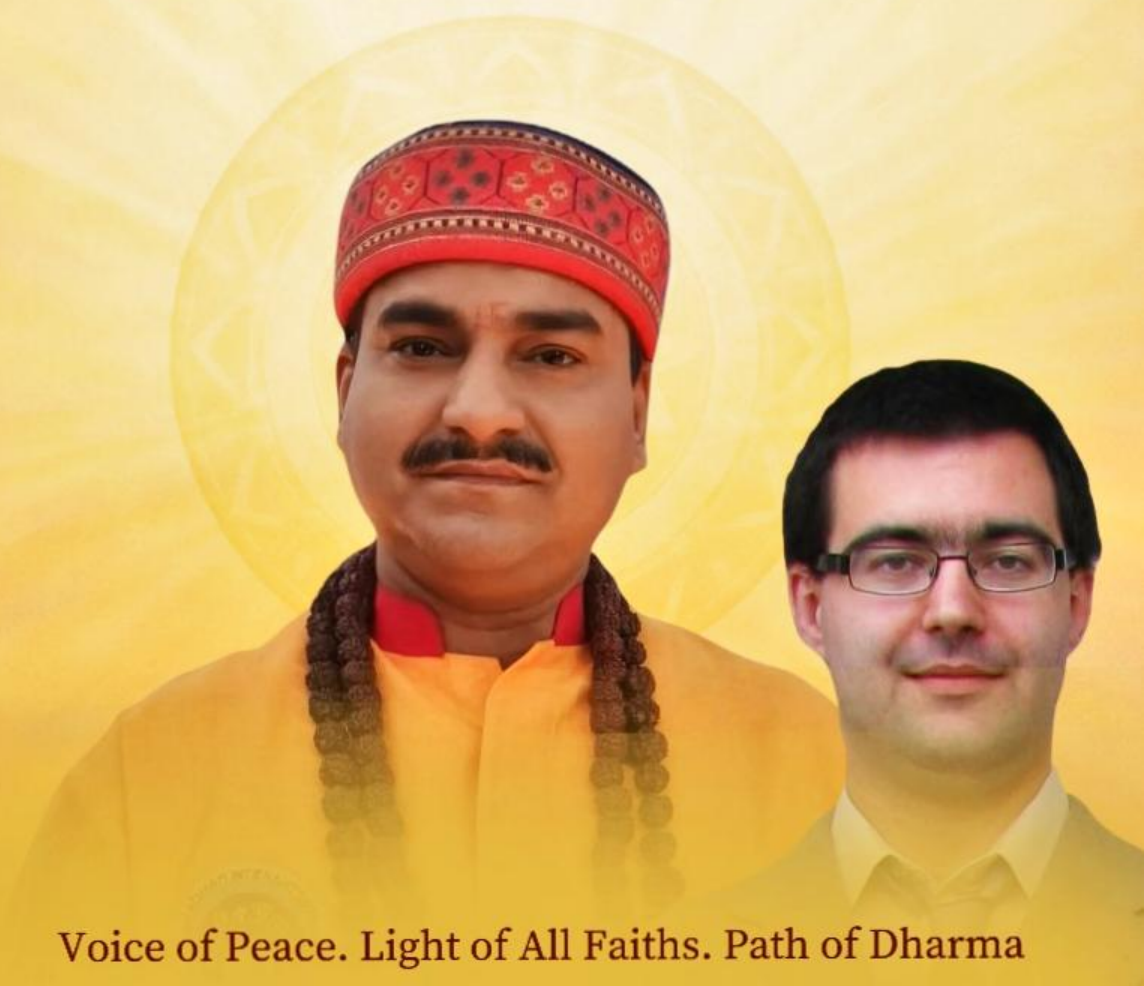
सौहार्द के दीप  
संत सौरभ



# The Excursion of Sauhard Shiromani Dr. Saurabh Pandey



(A Journey of Universal Harmony & Human Upliftment)



Voice of Peace. Light of All Faiths. Path of Dharma

Author:

H.R.H. H.E. Pangeran Prince Love YM Dato Rdo. Sri  
Academician Amb. Prof. Dr. Genius GM LM Ivan Gaćina  
President of Balkanofantastika, Croatia

**WN PUBLICATIONS**



# विश्वगुरु भारत के निर्माण में संत सौरभ जी महाराज का योगदान



सर्व धर्म सौहार्द के प्रज्ज्वलित दीप स्तंभ



**दिव्य प्रेरक कहानियाँ**  
साहित्य विद्या पठन एवं ई-प्रकाशन केन्द्र

**डा. अभिषेक कुमार**



# सौहार्द के दीप संत सौरभ



लेखक : डॉ. राजीव भारद्वाज

सौहार्द शिरोमणि

# संत डॉ. श्री सौरभ

(प्रेम सद्भाव एवं धार्मिक सौहार्द के अप्रतिम प्रेरक)



डॉ. आर. सी. यादव



# 26 मई को थाईलैंड में गूंजेगा भारत का आध्यात्मिक स्वर, संत डॉ सौरभ पाण्डेय पर नौ पुस्तकों का ऐतिहासिक विमोचन

गोरखपुर(अजय कुमार दूबे)। भारत की पुण्यभूमि गोरखपुर के गौरव, सौहार्द और मानवता के ध्वजवाहक संत डॉ सौरभ पाण्डेय पर केंद्रित नौ पुस्तकों का एक साथ विमोचन, 26 मई को थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में, न केवल एक साहित्यिक उपलब्धि है, बल्कि यह एक सांस्कृतिक और आध्यात्मिक इतिहास का स्वर्णिम अध्याय भी रचने जा रहा है।

यह आयोजन यूनिवर्स ऑफ एशिया बुक ऑफ द वर्ल्ड रिकॉर्ड्स जैसे वैश्विक प्लेटफॉर्म पर भारत की आस्था, करुणा और सहिष्णुता का ऐतिहासिक हस्ताक्षर बनेगा। इन



नौ पुस्तकों में निहित है वह विचारधारा, वह तप और वह सेवा, जिसने संत डॉ सौरभ पाण्डेय को सौहार्द शिरोमणि के रूप में वैश्विक मंच पर प्रतिष्ठित किया है। प्रिंस डॉ इवान काचिना से लेकर डॉ सत्यवीर सिंह शिनगला, डॉ निशा अग्रवाल, डॉ राजीव भारद्वाज, डॉ अभिषेक कुमार तक, हर लेखक ने अपने शब्दों से एक जीवंत इतिहास को आकार दिया है। यह विमोचन केवल पुस्तकों का नहीं, बल्कि

एक युगदृष्ट संत के विचारों, कार्यों और त्याग का वैश्विक उद्घोष है। इस अद्भुत कार्यक्रम के साक्षी बनेंगे थाईलैंड के महामहिम राजा जनरल ग्रैंड मास्टर डॉ सुमपंद रथफट्टाया, इंडोनेशिया के महाराजा वाईएमओकेएम 11 रिच, थाई सरकार के वरिष्ठ अधिकारी पुलिस लेफ्टिनेंट कर्नल डॉ मोनरुडी सोमार्ट और अमेरिका के डॉ परमिंदर सिंह। यह साक्षात् प्रमाण है कि संत सौरभ पाण्डेय की सोच, सीमाओं से परे जाकर विश्व को जोड़ने की शक्ति रखती है। इस आयोजन के सूत्रधार, धरा धाम इंटरनेशनल, देवनागरी उत्थान फाउंडेशन, यूनाइटेड गिल्ड लंदन तथा एशिया बुक ऑफ

वर्ल्ड रिकॉर्ड्स श्रीलंका, ऐसे संस्थान हैं, जो संस्कृति, धर्म और एकता के सूत्र को विश्वपटल पर स्थापित करने हेतु समर्पित हैं। डॉ सुनील दुबे, मिसेज एशिया यूनिवर्स पूजा निगम और डॉ अभिषेक कुमार के शब्दों में इस आयोजन की आत्मा झलकती है। यह केवल विमोचन नहीं, भारत की सनातन चेतना का उजागर होना है, वसुधैव कुटुम्बकम् का उद्घोष है और सर्वधर्म समभाव का सजीव साक्षात्कार है। भारत की धरती पर जन्मा एक साधक, अब वैश्विक चेतना का वाहक बन रहा है। 26 मई को थाईलैंड में वह इतिहास लिखा जाएगा, जिसे आने वाली पीढ़ियाँ गर्व से पढ़ेंगी।

# थाईलैंड में संत डॉ सौरभ पांडेय पर आधारित नौ पुस्तकों का ऐतिहासिक विमोचन

गोरखपुर (अजय कुमार दूबे)। भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक चेतना ने 26 मई को थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में एक ऐतिहासिक क्षण में वैश्विक मंच पर अपनी गूंज बिखेरी, जब संत डॉ सौरभ पांडेय के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर आधारित नौ पुस्तकों का एक साथ भव्य लोकार्पण किया गया। यह कार्यक्रम केवल एक साहित्यिक आयोजन नहीं था, बल्कि सर्वधर्म सम्भाव, मानवता और वसुधैव कुटुम्बकम जैसे सनातन मूल्यों की वैश्विक उद्घोषणा बन गया। इस ऐतिहासिक अवसर पर विश्व भर से अनेक प्रतिष्ठित अतिथियों



की उपस्थिति रही, जिनमें प्रमुख: हिज रॉयल मैजैस्टी किंग जनरल, गैंड मास्टर प्रो. डाटो, सेरी डॉ सुम्फंद रथापट्टया, डॉ मोरुदी सोमार्ट, डॉ परमिंदर सिंह, फ्रा विधेस्वाचिरामती, हीरह हे महाराजा पंगेरान ड्यूक प्रिंस राडेन मास नगाबी जनरल दातुक

डॉ मुहम्मद जेसुनवाह चू बिन अब्दुल्ला रानो, अल्मोजो, पवन मिश्रा, डॉ प्रेम प्रकाश, शंतनु पाल, कीर्तन त्रिपाठी रहे।

इस विमोचन समारोह में जिन लेखकों की लेखनी ने संत डॉ सौरभ पांडेय के जीवन, चिन्तन और सेवा यात्रा को शब्दों में संजोया वे हैं, प्रिंस डॉ इवान गैसीना, डॉ अभिषेक, डॉ विदिशा पंवार, डॉ सत्यवीर सिंह निराला, डॉ राजीव भारद्वाज एवं सुनीता सिंह

सरोवर। इस आयोजन को यूनिवर्स ऑफ यूनियर्स और एशिया बुक ऑफ द वर्ल्ड रिकॉर्ड्स जैसे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पंजीकृत किया गया है, जो इसकी ऐतिहासिकता और वैश्विक प्रभाव को दर्शाता है। मुख्य आयोजक संस्थाएँ थीं, धरा धाम इंटरनेशनल, देवनागरी उत्थान फाउंडेशन, यूनाइटेड गिल्ड लंदन, तथा एशिया बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स श्रीलंका। डॉ सुनील दुबे, मिसेज एशिया यूनिवर्स पूजा निगम, डॉ अभिषेक कुमार और डॉ प्रेम प्रकाश ने इस आयोजन को भारत की सनातन चेतना और विश्वबंधुत्व का उत्सव बताया।



# बैंकाक में राजीव भारद्वाज की पुस्तक विमोचित

जागरण संवाददाता, गढ़वा : भारत की सनातन चेतना, सौहार्द और मानवता के प्रतिनिधि संत परंपरा को वैश्विक मंच पर स्थापित करने वाला एक ऐतिहासिक क्षण 26 मई को थाईलैंड की राजधानी बैंकाक में रचा गया। जहां गढ़वा के राजीव भारद्वाज के पुस्तक का विमोचन हुआ। इस अंतराष्ट्रीय मंच पर थाईलैंड के महामहिम राजा जनरल ग्रैंड मास्टर डाक्टर सुमपंद रथफट्टाया, इंडोनेशिया के महाराज वाई एस ओ के एम 11 रिच, अमरीका का दैनिक अखबार पेज श्री के डॉक्टर परमिंदर सिंह, धराधाम अंतराष्ट्रीय केंद्र के प्रमुख डाक्टर सौरभ पांडेय, मिसेज इंडिया यूनिवर्स पूजा निगम, दिव्य प्रेरक कहानियां के प्रमुख डाक्टर अभिषेक कुमार, देवनागरी फाउंडेशन के प्रमुख डाक्टर सुनील दुबे की गरिमामयी उपस्थिति हुई। राजीव भारद्वाज द्वारा लिखित पुस्तक में डाक्टर सौरभ पांडेय के जीवन, विचार और सेवायात्रा का विस्तृत विवरण है।

झारखंड के एक छोटे से जिले से निकल कर राजीव भारद्वाज आज अंतराष्ट्रीय मंच पर गढ़वा का गौरव बढ़ा रहे हैं। बताते चले कि राजीव



पुस्तक विमोचन के अवसर पर उपस्थित राजीव भारद्वाज एवं अन्य • जागरण



राजीव भारद्वाज द्वारा लिखित पुस्तक

भारद्वाज एक प्रसिद्ध हिंदी व्यंग्यकार हैं जो अपने तीखे और चुभते हुए व्यंग्यों के लिए जाने जाते हैं। उनके व्यंग्य समाज की विसंगतियों और खामियों

पर कटाक्ष करते हैं और पाठकों को सोचने पर मजबूर करते हैं। उनके व्यंग्य में तीखापन और चुभन होती है जो पाठकों को सोचने पर मजबूर करती है।

उनके व्यंग्य समाज की विसंगतियों और खामियों पर टिप्पणी करते हैं। उनके व्यंग्यों में हास्य का पुट होता है जो पाठकों को हंसाता है और सोचने पर मजबूर करता है। राजीव भारद्वाज के व्यंग्यों को पढ़ने से पाठकों को समाज की वास्तविकता का पता चलता है और वे समाज की विसंगतियों को सुधारने के लिए प्रेरित होते हैं। राजीव को उनकी इस उपलब्धि के लिए लगातार बधाई एवं शुभकामनाएं मिल रही है।





बैंकॉक में राजीव भारद्वाज के पुस्तक के विमोचन के मौके पर मौजूद अतिथि।

## राजीव के पुस्तक का बैंकॉक में विमोचन

गढ़वा। भारत की सनातन चेतना, सौहार्द और मानवता के प्रतिनिधि संत परंपरा को वैश्विक मंच पर स्थापित करने वाला एक ऐतिहासिक क्षण 26 मई को थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में रचा गया। वहां गढ़वा के राजीव भारद्वाज के पुस्तक का विमोचन हुआ। उक्त अंतराष्ट्रीय मंच पर थाईलैंड के राजा जनरल ग्रैंड मास्टर डॉ. सुमपंद रथफट्टाया, इंडोनेशिया के महाराज वाई एसओके एम 11 रिच, अमेरिका के दैनिक अखबार पेज श्री के डॉ. परमिंदर सिंह आदि उपस्थित थे।



# थाईलैंड में गूँजा भारत का आध्यात्मिक स्वर: संत डा. सौरभ पांडेय पर आधारित नौ पुस्तकों का ऐतिहासिक विमोचन

**संवाददाता**

गोरखपुर। भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक चेतना ने 26 मई को थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में एक ऐतिहासिक क्षण में वैश्विक मंच पर अपनी गूँज बिखेरी, जब संत डॉ. सौरभ पांडेय जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर आधारित नौ पुस्तकों का एक साथ भव्य लोकार्पण किया गया। यह कार्यक्रम केवल एक साहित्यिक आयोजन नहीं था, बल्कि प्सर्यार्म समभाव, प्मानवता, और प्ससुधैव कुटुम्बकम् जैसे सनातन मूल्यों की वैश्विक उदघोषणा बन गया।

इस ऐतिहासिक अवसर पर विश्व भर से अनेक प्रतिष्ठित अतिथियों की उपस्थिति रही, जिनमें प्रमुख हैं रू हिज रॉयल मैजेस्टी किंग जनरल ग्रैंड मास्टर प्रो. डाटोश सेरी डॉ. सुम्फंद रथापट्टया, डॉ. मौरुदी सोमार्ट, डॉ. परमिंदर सिंह, प्रा विधेस्वाचिरामती हीरह हे महाराजा पंगोरान ड्यूक प्रिंस राडेन मास नगाबी जनरल दातुक डॉ. मुहम्मद जेसुनवाह चू बिन



अब्दुल्ला रानोए अल्मोजो, पवन मिश्रा, डॉ. प्रेम प्रकाश, शंतनु पाल, कीर्तन त्रिपाठी। इस विमोचन समारोह में जिन लेखकों की लेखनी ने संत डॉ. सौरभ पांडेय जी के जीवन, चिन्तन और सेवा यात्रा को शब्दों में संजोया, वे हैं दृ प्रिंस डॉ. इवान गैसीना, डॉ. अभिषेक, डॉ. विदिशा पंवार, डॉ. सत्यवीर सिंह शनिरालाश, डॉ. राजीव भारद्वाज एवं सुनीता सिंह सरोवर।

इस आयोजन को यूनिवर्सल रिकॉर्ड्स ऑफ यूनिवर्स और एशिया बुक ऑफ द वर्ल्ड रिकॉर्ड्स जैसे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पंजीकृत किया गया है, जो इसकी ऐतिहासिकता और वैश्विक प्रभाव को दर्शाता है। मुख्य आयोजक संस्थाएँ थीं दृ घरा बाम इंटरनेशनल, देवनागरी उत्थान फाउंडेशन, यूनाइटेड गिल्ड लंदन, तथा एशिया बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स श्रीलंका। डॉ. सुनील दुबे, मिसेज एशिया यूनिवर्स पूजा निगम, डॉ. अभिषेक कुमार, और डॉ. प्रेम प्रकाश ने इस आयोजन को भारत की सनातन चेतना और विश्वबंधुत्व का उत्सव बताया।







# 26 मई को बैंकाक में गूंजा भारत का आध्यात्मिक स्वर: संत डा. सौरभ पाण्डेय पर नौ पुस्तकों का ऐतिहासिक विमोचन संपन्न



स्वतंत्र पत्रकार विजन संवाददाता बैंकाक/गोरखपुर। भारत की सनातन चेतना, सौहार्द और मानवता की प्रतिनिधि संत परंपरा को वैश्विक मंच पर स्थापित करने वाला एक ऐतिहासिक क्षण 26 मई को थाईलैंड की राजधानी बैंकाक में रचा गया। संत डॉ. सौरभ पाण्डेय के जीवन, विचार और सेवायात्रा पर केंद्रित नौ पुस्तकों का एक साथ भव्य विमोचन समारोह सम्पन्न हुआ, जिसने भारतीय आध्यात्मिकता को नई ऊँचाइयों तक

पहुँचाया। यह अनूठा कार्यक्रम यूनिवर्स ऑफ यूनिवर्स और एशिया बुक ऑफ द वर्ल्ड रिकॉर्ड्स जैसे वैश्विक मंचों पर दर्ज होकर इतिहास का हिस्सा बन गया है। विमोचित पुस्तकों में निहित हैं संत सौरभ पाण्डेय के वे तपस्वी विचार, जो आज के वैश्विक समाज को शांति, सहिष्णुता और सौहार्द का मार्ग दिखाते हैं। अंतरराष्ट्रीय मंच की विभूतियों की गरिमामयी उपस्थिति इस ऐतिहासिक अवसर पर थाईलैंड के महामहिम राजा जनरल ग्रैंड मास्टर डॉ.

सुमपंद रथफट्टाया, इंडोनेशिया के महाराजा वार्डएमओकेएम 11 रिच, थाई सरकार के वरिष्ठ अधिकारी पुलिस लेफ्टिनेंट कर्नल डॉ. मोनरुडी सोमार्ट, अमेरिका के डॉ. परमिंदर सिंह, डा प्रेम प्रकाश, पवन मिश्रा सहित अनेक देशों के विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। सभी ने डॉ. सौरभ पाण्डेय की वैश्विक दृष्टि, करुणा और आध्यात्मिक प्रतिबद्धता की सराहना की। लेखकों की कलम से सजीव हुआ एक युग इस ऐतिहासिक विमोचन में

प्रिंस डॉ. इवान गैसीना, डॉ. सत्यवीर सिंह निराला, डॉ. निशा अग्रवाल, डॉ. राजीव भारद्वाज और डॉ. अभिषेक कुमार जैसे प्रतिष्ठित लेखकों की रचनाएँ शामिल रहीं, जिन्होंने संत सौरभ जी के व्यक्तित्व और कृतित्व को कालजयी शब्दों में पिरोया। आयोजन के सूत्रधार और प्रेरणा स्रोत इस समारोह के पीछे धरा धाम इंटरनेशनल, देवनागरी उत्थान फाउंडेशन, यूनाइटेड गिल्ड लंदन, और एशिया बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स श्रीलंका

जैसी संस्थाओं का सशक्त योगदान रहा, जो विश्व पटल पर भारतीय संस्कृति, धर्म और सर्वधर्म समभाव को प्रतिष्ठित करने हेतु सतत कार्यरत हैं। उद्गार और अनुभूतियाँ कार्यक्रम में डॉ. सुनील दुबे, मिसेज एशिया यूनिवर्स पूजा निगम, और डॉ. अभिषेक कुमार सहित अनेक गणमान्यजनों ने इस विमोचन को केवल एक साहित्यिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि भारत की आत्मा का वैश्विक उद्घोष बताया। यह आयोजन "वसुधैव कुटुम्बकम्" और "सर्वधर्म समभाव" के आदर्शों को मूर्त रूप देने वाला एक ऐतिहासिक साक्ष्य बन गया।

बीईओ डा. ब्रजेश त्रिपाठी को निपुण मानकों के



## 26 मई को थाईलैंड में गूजेगा भारत का आध्यात्मिक स्वर: संत डॉ. सौरभ पाण्डेय पर नौ पुस्तकों का ऐतिहासिक विमोचन

द डेसिंग

**संजय कुमार / गोरखपुर** । भारत की पुण्यभूमि गोरखपुर के गौरव, सौहार्द और मानवता के ध्वजवाहक संत डॉ. सौरभ पाण्डेय पर केंद्रित नौ पुस्तकों का एक साथ विमोचन, 26 मई को थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में, न केवल एक साहित्यिक उपलब्धि है, बल्कि यह एक सांस्कृतिक और आध्यात्मिक इतिहास का स्वर्णिम अध्याय भी रचने जा रहा है। यह आयोजन 'यूनिक्स रिकॉर्ड्स ऑफ यूनिक्स' और 'एशिया बुक ऑफ द वर्ल्ड रिकॉर्ड्स' जैसे वैश्विक प्लेटफॉर्म पर भारत की आस्था, करुणा और सहिष्णुता का ऐतिहासिक हस्ताक्षर बनेगा। इन नौ पुस्तकों में निहित है वह विचारधारा, वह तप और वह सेवा, जिसने संत



डॉ. सौरभ पाण्डेय को सौहार्द शिरोमणि के रूप

में वैश्विक मंच पर प्रतिष्ठित किया है। प्रिंस डॉ. इवान गैसोना से लेकर डॉ. सत्यवीर सिंह निराला, डॉ. निशा अग्रवाल, डॉ. राजीव भारद्वाज, डॉ. अभिषेक कुमार तक - हर लेखक ने अपने शब्दों से एक जीवंत इतिहास को आकार दिया है। यह विमोचन केवल पुस्तकों का नहीं, बल्कि एक युगदृष्ट संत के चित्रों, कार्यों और त्याग का वैश्विक उद्घोष है। इस अद्भुत कार्यक्रम के साथी बनेंगे थाईलैंड के महामहिम राजा जनरल ब्रैड मास्टर डॉ. सुमपंद थफ़ज़या, इटोर्नेशिया के महाराजा वाइएमओकेएम 11 रिच, थाई सरकार के वरिष्ठ अधिकारी पुलिस लेफ्टिनेंट कर्नल डॉ. मोनरुवे स्मार्ट, और अमेरिका के डॉ. रामेंद्र सिंह। यह साक्ष्य प्रमाण है कि संत सौरभ पाण्डेय की स्नेह, सीमाओं से परे जाकर विश्व को जोड़ने की

शक्ति रखती है। इस आयोजन के सूत्रधार - धारा प्राम इंटरनेशनल, देवनागरी ऊथान फाउंडेशन, यूनाइटेड गिल्ड लंदन तथा एशिया बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स श्रीलंका - ऐसे संस्थान हैं, जो संस्कृति, धर्म और एकता के सूत्र को विश्वमय पर स्थापित करने हेतु समर्पित हैं। डॉ. सुनील दुबे, निसेज एशिया यूनिक्स पूजा निगम और डॉ. अभिषेक कुमार के शब्दों में इस आयोजन की आत्मा झलकती है - यह केवल विमोचन नहीं, भारत की स्मृतिगत चेतना का उजागर होना है; 'वसुधैव कुटुम्बकः' का उद्घोष है; और सर्वधर्म समभाव का सजीव साक्षात्कार है। भारत की धरती पर जन्मा एक साधक, अन्न वैश्विक चेतना का वाहक बन रहा है। 26 मई को थाईलैंड में वह इतिहास लिखा जाएगा, जिसे आने वाली पीढ़ियाँ गर्व से पढ़ेंगी।



## थाईलैंड में डॉ. सौरभ पर आधारित नौ पुस्तकों का विमोचन

जनसंदेश टाइम्स बेलीपार, गोरखपुर। भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक चेतना ने 26 मई को थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में एक ऐतिहासिक क्षण में वैश्विक मंच पर अपनी गूंज बिखेरी, जब संत डॉ. सौरभ पांडेय के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर आधारित नौ पुस्तकों का एक साथ भव्य लोकार्पण किया गया। यह कार्यक्रम केवल एक साहित्यिक आयोजन नहीं था, बल्कि ष्वसर्वधर्म समभाव, मानवता और ष्वसुधैव कुटुम्बकम् जैसे सनातन मूल्यों की वैश्विक उद्घोषणा बन गया। इस ऐतिहासिक अवसर पर विश्व भर से अनेक प्रतिष्ठित अतिथियों की उपस्थिति रही।



# बैंकॉक में गढ़वा के राजीव भारद्वाज के पुस्तक का विमोचन



गढ़वा (आजाद सिपाही)। भारत की सनातन चेतना, सौहार्द और मानवता के प्रतिनिधि संत परंपरा को वैश्विक मंच पर स्थापित करने वाला एक ऐतिहासिक क्षण 26 मई को थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में रचा गया। जहां गढ़वा के राजीव भारद्वाज के पुस्तक का विमोचन हुआ। इस अंतराष्ट्रीय मंच पर थाईलैंड के महामहिम राजा जनरल ग्रैंड मास्टर डॉक्टर सुमपंद रथफट्टाया, इंडोनेशिया के महाराज वाई एस ओ के एम 11 रिच, अमरीका का दैनिक अखबार पेज थ्री के डॉक्टर परमिंदर सिंह, धराधाम अंतराष्ट्रीय केंद्र के प्रमुख डॉक्टर सौरभ पांडेय, मिसेज इंडिया यूनिवर्स पूजा निगम, दिव्य प्रेरक कहानियां के प्रमुख डॉक्टर अभिषेक कुमार, देवनागरी फाउंडेशन के प्रमुख डॉक्टर सुनील दुबे की गरिमामई उपस्थिति हुई। राजीव भारद्वाज द्वारा लिखित पुस्तक में डॉक्टर सौरभ पांडेय के जीवन, विचार और सेवायात्रा का विस्तृत विवरण है। झारखंड के एक छोटे से जिले से निकल कर राजीव भारद्वाज आज अंतराष्ट्रीय मंच पर गढ़वा का गौरव बढ़ा रहे हैं। बताते चलें कि राजीव भारद्वाज एक प्रसिद्ध हिंदी व्यंग्यकार हैं जो अपने तीखे और चुभते हुए व्यंग्यों के लिए जाने जाते हैं। उनके व्यंग्य समाज की विसंगतियों और खामियों पर कटाक्ष करते हैं और पाठकों को सोचने पर मजबूर करते हैं। उनके व्यंग्य में तीखापन और चुभन होती है जो पाठकों को सोचने पर मजबूर करती है। उनके व्यंग्य समाज की विसंगतियों और खामियों पर टिप्पणी करते हैं। उनके व्यंग्यों में हास्य का पुट होता है जो पाठकों को हंसाता है और सोचने पर मजबूर करता है।



## गढ़वा के राजीव के पुस्तक का बैंकॉक में विमोचन



गढ़वा। भारत की सनातन चेतना, सौहार्द और मानवता के प्रतिनिधि संत परंपरा को वैश्विक मंच पर स्थापित करने वाला एक ऐतिहासिक क्षण 26 मई को थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में रचा गया। जहां गढ़वा के राजीव भारद्वाज के पुस्तक का विमोचन हुआ। इस अंतराष्ट्रीय मंच पर थाईलैंड के राजा जनरल ग्रैंड मास्टर डॉ सुमपंद रथफट्टाया, इंडोनेशिया के महाराज वाई एस ओ के एम 11 रिच, अमरीका का दैनिक अखबार पेज थ्री के डॉ परमिंदर सिंह, धराधाम अंतराष्ट्रीय केंद्र के प्रमुख डॉ सौरभ पांडेय, मिसेज इंडिया यूनिवर्स पूजा निगम, दिव्य प्रेरक कहानियां के प्रमुख डॉ अभिषेक कुमार, देवनागरी फाउंडेशन के प्रमुख डॉ सुनील दुबे उपस्थित थे। राजीव भारद्वाज द्वारा लिखित पुस्तक में डॉ सौरभ पांडेय के जीवन, विचार और सेवायात्रा का विस्तृत विवरण है।



# 26 मई को थाईलैंड में गुंजेगा भारत का आध्यात्मिक स्वर: संत डॉ. सौरभ पाण्डेय पर नौ पुस्तकों का ऐतिहासिक विमोचन

**घटनाएं समाचार**

गोरखपुर। भारत की पुण्यभूमि गोरखपुर के गौरव, सौहार्द और मानवता के ध्वजवाहक संत डॉ. सौरभ पाण्डेय पर केंद्रित नौ पुस्तकों का एक साथ विमोचन, 26 मई को थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में, न केवल एक साहित्यिक उपलब्धि है, बल्कि यह एक सांस्कृतिक और आध्यात्मिक इतिहास का स्वर्णिम अध्याय भी रचने जा रहा है। यह आयोजन 'यूनिक रिकॉर्ड्स ऑफ यूनिवर्स' और 'एशिया बुक ऑफ द वर्ल्ड रिकॉर्ड्स' जैसे वैश्विक प्लेटफॉर्म पर भारत की आस्था, करुणा और सहिष्णुता का ऐतिहासिक हस्ताक्षर बनेगा।

इन नौ पुस्तकों में निहित है वह विचारधारा, वह तप और वह सेवा, जिसने संत डॉ. सौरभ पाण्डेय को सौहार्द शिरोमणि के रूप में वैश्विक मंच पर प्रतिष्ठित किया है। प्रिंस डॉ. इवान गैसीना से लेकर डॉ. सत्यवीर सिंह 'निराला', डॉ. निशा अग्रवाल, डॉ. राजीव भारद्वाज, डॉ. अभिषेक कुमार तक

— हर लेखक ने अपने शब्दों से एक जीवंत इतिहास को आकार दिया है। यह विमोचन केवल



पुस्तकों का नहीं, बल्कि एक युगदृष्टा संत के विचारों, कार्यों और त्याग का वैश्विक उद्घोष है।

इस अब्दुत कार्यक्रम के साक्षी बनेंगे थाईलैंड के महामहिम राजा जनरल ग्रैंड मास्टर डॉ. सुमपंद रथफट्टाया, इंडोनेशिया के महाराजा वाईएमओकेएम 11 रिच, थाई सरकार के वरिष्ठ अधिकारी पुलिस

लेफ्टिनेंट कर्नल डॉ. मोनरुडी सोमार्ट, और अमेरिका के डॉ. परमिंदर सिंह। यह साक्षात प्रमाण है कि संत सौरभ पाण्डेय की सोच, सीमाओं से परे जाकर विश्व को जोड़ने की शक्ति रखती है। इस आयोजन के सूत्रधार — धरा धाम इंटरनेशनल, देवनागरी उत्थान फाउंडेशन, यूनाइटेड गिल्ड लंदन तथा एशिया बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स श्रीलंका — ऐसे संस्थान हैं, जो संस्कृति, धर्म और एकता के सूत्र को विश्वपटल पर स्थापित करने हेतु समर्पित हैं। डॉ. सुनील दुबे, मिसेज एशिया यूनिवर्स पूजा निगम और डॉ. अभिषेक कुमार के शब्दों में इस आयोजन की आत्मा झलकती है — यह केवल विमोचन नहीं, भारत की सनातन चेतना का उजागर होना है; 'वसुधैव कुटुम्बकम्' का उद्घोष है; और सर्वधर्म समभाव का सजीव साक्षात्कार है। भारत की धरती पर जन्मा एक साधक, अब वैश्विक चेतना का वाहक बन रहा है। 26 मई को थाईलैंड में वह इतिहास लिखा जाएगा, जिसे आने वाली पीढ़ियाँ गर्व से पढ़ेंगी।

**के बाद अब अयोध्या में बनेगा भारत का**